20 December, 2023

लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले

संदर्भ: अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने टिप्पणी की है कि पिछले चार हफ्तों में यमन के हूती विद्रोहियों ने वाणिज्यिक जहाजों पर 12 बार आक्रमण किया है तथा कई जहाजों को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

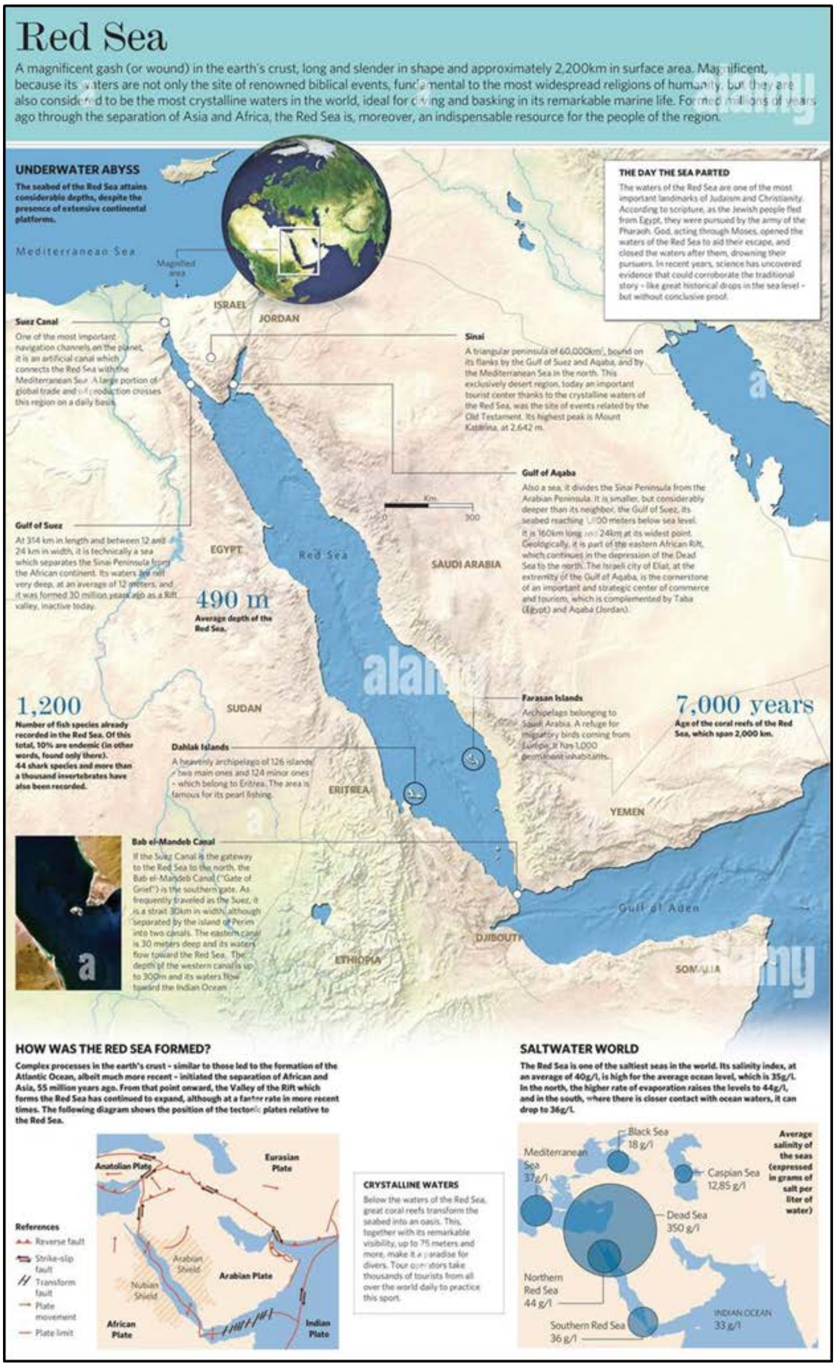

लाल सागर तनाव:

- ➤ **इजराइल-हमास संघर्ष के कारण**: इजराइल-हमास के बीच चल रहे संघर्ष के कारण लाल सागर में तनाव बढ़ गया है।
- ➤ **वाणिज्यिक जहाजों पर हूतियों के हमले** :
    - पिछले चार हफ्तों में, यमन के हूती विद्रोहियों ने वाणिज्यिक जहाजों पर 12 हमले किए।
    - एपी मोलर-मार्सक और ब्रिटिश पेट्रोलियम जैसी प्रमुख कंपनियों ने प्रतिक्रिया में लाल सागर के माध्यम से आवाजाही रोक दी है।
- ➤ **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया** :
    - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत के दौरान समुद्री यातायात सुरक्षा के विषय में चिंता व्यक्त की।
    - अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने संयुक्त समुद्री बलों के तहत एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा पहल, ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन की घोषणा की।

लाल सागर का महत्व:

- ➤ **सामरिक महत्व:**
    - लाल सागर एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है, जो भूमध्य सागर को हिंद महासागर से जोड़ता है।
    - स्वेज़ नहर, एक महत्वपूर्ण जलमार्ग के रूप में वैश्विक व्यापार हेतु व्यापक महत्व रखती है।
- ➤ **वैश्विक व्यापार निर्भरता:**
    - वैश्विक व्यापार का लगभग 12% स्वेज़ नहर पर निर्भर है, जबकि पनामा नहर पर 5% निर्भर है।
    - इस नहर में 2023 की पहली छमाही में प्रति दिन कुल तेल प्रवाह 9.2 मिलियन बैरल था।

हूती कार्रवाई और इज़राइल-हमास संघर्ष से संबद्धता:

- ➤ **हूतियों के उद्देश्य:**
    - हूतियों ने गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों के विरोध में इजराइल के जहाजों पर हमले का दावा किया है।
    - नवंबर में हूती विद्रोहियों ने भारत जा रहे जहाज गैलेक्सी लीडर का अपहरण किया था।
- ➤ **यमन का गृहयुद्ध:**
    - हूती लगभग एक दशक से यमन सरकार के साथ गृह युद्ध में लिप्त हैं।
    - सांप्रदायिक और क्षेत्रीय कारक जटिल राजनीतिक परिदृश्य में योगदान करते हैं।
- ➤ **क्षेत्रीय गतिशीलता:** फ़िलिस्तीन के लिए हूतियों के समर्थन को क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता की अभिव्यक्ति माना जाता है। ईरान भी हूतियों का समर्थन करता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- ➤ **आर्थिक परिणाम:**
    - वैश्विक शिपिंग और लॉजिस्टिक्स में व्यवधान की चिंताओं के फलस्वरूप तेल के मूल्य में वृद्धि हो रही है।
    - माल व्यापारी शिपमेंट पर युद्ध जोखिम अधिभार लागू करते हुए दरें बढ़ाते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **बाज़ार आकलन:**
  - गोल्डमैन सैक के विश्लेषकों का सुझाव है कि व्यवधान से कच्चे तेल और एलएनजी की कीमतों पर प्रभाव पड़ने की संभावना कम है।
  - ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन में शामिल होने वाले यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन सहित देशों की रिपोर्ट से बाजार की चिंताएं कम हो गई हैं।

ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन:

- **बहुराष्ट्रीय सुरक्षा पहल:**
  - अमेरिका के नेतृत्व वाले ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन में लाल सागर में संयुक्त गश्त शामिल है।
  - यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन सहित अन्य देश इस ऑपरेशन में शामिल हो गए हैं।
- **संयुक्त समुद्री बल:**
  - संयुक्त समुद्री बल, जिसमें 39 सदस्य देश शामिल हैं। ये समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के प्रयासों का समन्वय करते हैं।
  - संयुक्त टास्क फोर्स 153 देशों के नेतृत्व में लाल सागर, बाब अल-मंडेब और अदन की खाड़ी में सुरक्षा के सुधार पर केंद्रित है।

अनुदान की अनुपूरक मांग

संदर्भ: संसद ने मार्च 2024 में समाप्त होने वाले चालू वित्तीय वर्ष में ₹58,378 करोड़ के अतिरिक्त शुद्ध व्यय को मंजूरी दे दी है। इस आवंटन का एक महत्वपूर्ण भाग मनरेगा और उर्वरक सब्सिडी के लिए निर्धारित किया गया है।

- **संवैधानिक आवश्यकता:**
  - अनुच्छेद 113 में कहा गया है कि भारत की संचित निधि से धन निकालने का कोई भी प्रस्ताव लोक सभा में अनुदान की मांग के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
  - निधि से किसी भी निकासी के लिए लोक सभा में एक विधेयक पारित करना आवश्यक है।
- **मंत्रालयवार तैयारी:**
  - प्रत्येक मंत्रालय आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित व्यय का विवरण देते हुए अनुदान की मांग तैयार करता है।
  - शुल्क और मतदान व्यय दोनों को शामिल करते हुए इन मांगों को सामूहिक रूप से लोकसभा में केंद्रीय बजट के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।
- **व्यय वर्गीकरण:**
  - अनुदान की मांग शुल्क और व्यय के बीच स्पष्ट अंतर करती है।
  - व्यय को पूंजीगत और राजस्व में वर्गीकृत किया जाता है, पूंजीगत व्यय के परिणामस्वरूप परिसंपत्ति निर्माण होता है और राजस्व व्यय परिचालन व्यय होता है।
- **प्रस्तुति और अनुमोदन:**
  - **लोक सभा की शक्ति:** अनुच्छेद 113 के अनुसार लोक सभा के पास अनुदान की मांग पर सहमति देने, अस्वीकार करने या निर्दिष्ट राशि कम करने का अधिकार है।
  - **राष्ट्रपति की मंजूरी:** लोक सभा में अनुदान की कोई भी मांग प्रस्तुत करने से पहले भारत के राष्ट्रपति की पूर्वानुमति आवश्यक है।
- **अनुदान के प्रकार:**
  - **अतिरिक्त अनुदान:**
    - **परिभाषा** : यह तब दिया जाता है जब चालू वित्तीय वर्ष के बजट में विचार न की गई किसी नई सेवा पर अतिरिक्त व्यय की आवश्यकता हो।
    - **परिदृश्य** : अप्रत्याशित आवश्यकताओं या आकस्मिक स्थितियों के कारण माँगा जाता है।
    - **प्राधिकरण** : लोक सभा से अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
  - **अधिक अनुदान:**
    - **परिभाषा** : यह तब दिया जाता है जब किसी सेवा पर वास्तविक खर्च दिए गए वित्तीय वर्ष में उस विशेष सेवा के लिए आवंटित बजट से अधिक हो जाता है।
    - **प्रक्रिया** : वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद लोकसभा द्वारा मतदान किया जाता है।
    - **अनुमोदन :** लोक सभा में प्रस्तुत करने से पहले संसद की लोक लेखा समिति द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
  - **अनुपूरक अनुदान:**
    - **परिभाषा** : चालू वित्तीय वर्ष में किसी विशिष्ट सेवा के लिए संसद द्वारा अधिकृत धनराशि अपर्याप्त पाए जाने पर अनुदान दिया जाता है।
    - **परिदृश्य:** यह आमतौर पर अप्रत्याशित या असाधारण परिस्थितियों से प्रेरित होता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **समीक्षा प्रक्रिया:** भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा इसकी समीक्षा की जाती है, जिनकी जांच करके लोक लेखा समिति संसद को सिफारिशें प्रदान करती है।

- **प्रत्यानुदान:**
  - **परिभाषा** : अप्रत्याशित और असाधारण मांग को पूरा करने के लिए दिया जाता है।
  - **प्रकृति** : लोक सभा द्वारा कार्यपालिका को दिए गए एक खाली चेक की तरह होता है।
  - **राष्ट्रपति की मंजूरी** : भारत के राष्ट्रपति की मंजूरी की आवश्यकता है।
- **अपवादानुदान:**
  - **परिभाषा** : किसी विशेष उद्देश्य के लिए प्रदान किया गया और किसी भी वित्तीय वर्ष के लिए वर्तमान सेवा का हिस्सा नहीं होता है।
  - **उद्देश्य** : आमतौर पर उन असाधारण स्थितियों के लिए आवंटित किया जाता है जो नियमित सरकारी संचालन के साथ संरेखित नहीं होती हैं।
  - **प्राधिकरण** : अन्य अनुदानों की तरह ही संसदीय अनुमोदन प्रक्रिया के अधीन है।
- **टोकन अनुदान:**
  - **परिभाषा :** यह तब दिया जाता है जब किसी नई सेवा पर प्रस्तावित व्यय के लिए धन पुनर्विनियोजन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा सकता है।
  - **राशि** : इसमें सामान्यतः नाममात्र की राशि शामिल होती है।
  - **अनुमोदन** : इस सांकेतिक राशि के अनुदान की मांग लोक सभा में प्रस्तुत की जाती है और यदि सहमति हो तो धन उपलब्ध हो जाता है।
  - **पुनर्विनियोग** : इसमें अतिरिक्त व्यय किए बिना धन का एक मद से दूसरे मद में स्थानांतरण शामिल है।

➢ **संवैधानिक प्रावधान:**
- **अनुच्छेद 115:** अनुपूरक अनुदान, अतिरिक्त अनुदान, अधिक अनुदान और अपवादानुदान को नियंत्रित करता है।
- **अनुच्छेद 116:** लेखानुदान, प्रत्यानुदान और अपवादानुदान से संबंधित है।

➢ **समान प्रक्रिया** : अनुपूरक अनुदान, अतिरिक्त अनुदान, अधिक अनुदान और अपवादानुदान अनुदान, प्रत्यानुदान के साथ, नियमित बजट के समान प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का पालन करते हैं।

जैविक विविधता पर कन्वेंशन के COP-15 का एक वर्ष

संदर्भ: जैविक विविधता पर कन्वेंशन के 15वें सम्मेलन (COP-15) के दौरान कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (KMGBF) को अपनाने के बाद से एक वर्ष बीत चुका है।

➢ **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (KMGBF) को अपनाना:**
- एक महत्वाकांक्षी पहल के रूप में KMGBF को आधिकारिक तौर पर जैविक विविधता कन्वेंशन (CBD) के 15वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़ (COP-15) में अपनाया गया था।
- इसमें कुल 23 लक्ष्य हैं जिन्हें 2030 तक प्राप्त किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

➢ **प्रगति और स्थगन:**
- इसे अपनाए जाने के एक वर्ष बीत जाने के बावजूद, उल्लिखित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति धीमी रही है।
- अधिकांश निर्णयों और चर्चाओं को कोलंबिया में होने वाले आगामी 16वें पार्टियों के सम्मेलन (COP-16) तक स्थगित कर दिया गया है।

➢ **KMGBF के उद्देश्य:** KMGBF जैविक विविधता पर कन्वेंशन के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित है, जिसका लक्ष्य जैव विविधता की रक्षा करना, स्थायी उपयोग सुनिश्चित करना और इसके उपयोग से प्राप्त लाभों के समान बंटवारे को बढ़ावा देना है।

➢ **स्वदेशी लोग और स्थानीय समुदाय (IPLCs):**
- स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, KMGBF ने 23 लक्ष्यों में से सात में उनका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है।
- 1993 में CBD की स्थापना के बाद से यह उनकी ऐतिहासिक उपेक्षा के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्थान का प्रतीक है।

➢ **अनुच्छेद 8 (j) और IPLCs:**
- KMGBF के अनुच्छेद 8 (j) में कहा गया है कि प्रत्येक देश IPLCs के ज्ञान, नवाचारों और प्रथाओं का सम्मान, संरक्षण और रखरखाव करता है।
- IPLCs की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाषाई विविधता, भूमि-उपयोग परिवर्तन, पारंपरिक व्यवसायों का अभ्यास और पारंपरिक ज्ञान के प्रति सम्मान सहित चार संकेतकों की पहचान की गई है।

➢ **IPLCs के लिए फंडिंग:**
- एक प्रगतिशील कदम के रूप में यह प्रस्तावित किया गया है कि IPLCs को परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सीधे धन प्राप्त होना चाहिए।
- विशेष रूप से, वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) ने IPLCs को नव स्थापित वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क फंड (GBFF) के तहत 20% धनराशि आवंटित करने के लिए प्रतिबद्ध किया है।

- **डिजिटल अनुक्रम सूचना (DSI) से लाभ-साझाकरण:**
  - KMGBF एक एड हॉक ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप की स्थापना करके डिजिटल अनुक्रम सूचना (DSI) के उभरते मुद्दे को संबोधित करता है।
  - इसका उद्देश्य DSI के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत बंटवारे के लिए एक बहुपक्षीय तंत्र विकसित करना है।
- **SBSTTA-25 और संकेतक:**
  - इस फ्रेमवर्क को अपनाने के बाद प्रगति पर चर्चा करने के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी और तकनीकी सलाह पर सहायक निकाय (SBSTTA -25) का आयोजन किया गया।
  - अधिक सूक्ष्म रिपोर्टिंग दृष्टिकोण के लिए सरल द्विआधारी संकेतकों को श्रेणीबद्ध संकेतकों से बदलने का प्रस्ताव किया गया था।
- **अन्य सम्मेलनों के साथ तालमेल:**
  - पूरे वर्ष के दौरान, KMGBF पर चर्चा जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) और मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCCD) की बैठकों तक विस्तारित हुई।
  - 1992 में स्थापित इन सम्मेलनों का अभिसरण, पर्यावरणीय चुनौतियों को व्यापक रूप से संबोधित करने के सामूहिक प्रयास को दर्शाता है।
- **राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता संधि (BBNJ):**
  - समुद्री जीवन की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता संधि (BBNJ) को औपचारिक रूप से अंगीकरण से एक महत्वपूर्ण विकास हुआ है।
  - यह संधि KMGBF के लक्ष्य 3 (2030 तक कम से कम 30% भूमि और समुद्र की सुरक्षा का पक्षपोषण) को पूरा करती है,
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन का महामारी समझौता:**
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपने महामारी समझौते के माध्यम से रोगजनकों तक पहुंच और लाभ-साझाकरण से संबंधित मुद्दों का पता लगाया है।
  - दिसंबर में इसके मसौदे पर चर्चा संपन्न हुई, जिसमें पहुंच और लाभ साझा करने के लिए एक बहुपक्षीय प्रणाली पर जोर दिया गया।
- **चुनौतियाँ और समय सीमाएँ:**
  - इन प्रगतियों के बावजूद, IPLCs और DSI से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों सहित कई निर्णयों को 2024 और उसके बाद के लिए स्थगित कर दिया गया है।
  - KMGBF की समय सीमा को पूरा करने की व्यवहार्यता के संबंध में चिंताएं उत्पन्न हुई हैं जैसे कि 2026 में COP-17 के दौरान KMGBF की निर्धारित पहली वैश्विक समीक्षा।
- **वैश्विक समीक्षा और कार्यान्वयन:**
  - 2026 में आगामी COP-17 KMGBF के कार्यान्वयन की पहली वैश्विक समीक्षा के लिए निर्धारित है।
  - यह समय सीमा सफल कार्यान्वयन के लिए एक सीमित गुंजाइश छोड़ती है तथा यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सुधारात्मक कार्यों की आवश्यकता पर बल देती है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

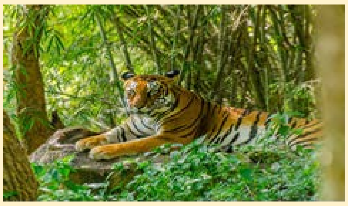

हाल ही में, दक्षिण वायनाड वन विभाग के अधिकारियों ने वायनाड वन्यजीव अभयारण्य से 13 वर्षीय नर तेंदुए को त्रिशूर के पुथुर जूलॉजिकल पार्क में क्वारंटाइन के लिए स्थानांतरित किया है ।

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य के विषय में:

- वायनाड वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना 1973 में की गई थी और यह केरल के वायनाड जिले में स्थित है।
- यह अभयारण्य नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व (यूनेस्को-मान्यता प्राप्त क्षेत्र) का एक घटक है और दक्षिण भारत के हाथी रिजर्व नंबर 7 का भाग है।
- इसमें वायनाड पठार शामिल है, जो तीन जैविक रूप से विशिष्ट और विविध क्षेत्रों- पश्चिमी घाट, नीलगिरि पहाड़ियाँ और दक्कन पठार के संगम पर स्थित है।
- काबिनी नदी (कावेरी नदी की एक सहायक नदी) अभयारण्य से होकर प्रवाहित होती है।
- अभयारण्य की वनस्पतियों में नम पर्णपाती वन, पश्चिम तट के अर्ध-सदाबहार वन और सागौन, नीलगिरी तथा ग्रेवेलिया बागान शामिल हैं।
- अभयारण्य के जीवों में हाथी, गौर, बाघ, तेंदुआ, सांबर, हिरण,जंगली सूअर, लंगूर आदि शामिल हैं ।

लम्पी त्वचा रोग

संसदीय समिति ने 2022 और 2023 में लम्पी त्वचा रोग के कारण दो लाख से अधिक मवेशियों और भैंसों की मौत पर केंद्रीय पशुपालन मंत्रालय के आंकड़ों को प्रश्नगत किया है ।

लम्पी त्वचा रोग के विषय में:

- लम्पी त्वचा रोग (LSDV) एक विषाणु जनित रोग है जो मवेशियों और भैंसों को प्रभावित करता है।
- यह विषाणु (LSDV) पॉक्सविरिडे परिवार (Poxviridae family) का है।
- यह त्वचा रोग विभिन्न कीटों, जैसे मक्खियों और मच्छरों या किलनी की कुछ प्रजातियों द्वारा फैलता है।
- इसके लक्षण : बुखार, त्वचा, श्लेष्मा झिल्ली और आंतरिक अंगों पर गांठें, क्षीणता, बढ़े हुए लिम्फ नोड्स और कभी-कभी मृत्यु है।
- भारत में LSDV का पहला मामला मई 2022 में गुजरात में सामने आया था।
- इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, इसलिए टीकाकरण द्वारा रोकथाम नियंत्रण का सबसे प्रभावी साधन है।

फोटोरिसेप्शन

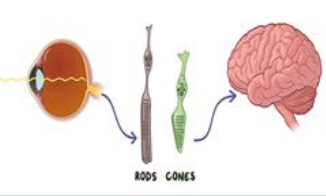

फोटोरिसेप्शन के विषय में:

- फोटोरिसेप्शन (प्रकाशग्रहण) वह जैविक प्रक्रिया है जिसके द्वारा आंखों में फोटोरिसेप्टर (प्रकाशग्राही कोशिकाएं) प्रकाश का पता लगाते हैं और उसे विद्युत संकेतों में परिवर्तित करते हैं जिसे मस्तिष्क दृष्टि के रूप में स्पष्ट करता है।
- फोटोरिसेप्टर रेटिना में विशेष कोशिकाएं हैं जो प्रकाश तरंगों को अवशोषित करती हैं और उन्हें विद्युत संकेतों में परिवर्तित करती हैं।
- मनुष्यों की आंखों में तीन तरह की शंकु कोशिकाएं होती हैं - लाल, हरी और नीली। ये हमें रंगों को देखने में सक्षम बनाती हैं।
- दिन और रात में सक्रिय जानवरों की दोनों की आंखों में छड़ और शंकु दोनों होते हैं, जिससे वे रोशनी के अनुरूप अपनी दृष्टि को अनुकूलित कर लेते हैं।
- दिन में सक्रिय जानवरों की रेटिना में ज्यादा शंकु कोशिकाएं होती हैं, जिससे उन्हें दिन के उजाले में साफ दिखाई देता है। रात में सक्रिय जानवरों की रेटिना में ज्यादा छड़ कोशिकाएं और रोडोप्सिन नामक प्रोटीन होता है, जिससे वे कम रोशनी में भी देख पाते हैं।

लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड

लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड (LMC) के विषय में:

- लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड (LMC) एक अनियमित आकाशगंगा है जो प्रत्येक 1,500 मिलियन वर्ष में एक बार दुग्ध मेखला (Milky Way) की परिक्रमा करती है।
- यह पृथ्वी के सबसे निकटतम आकाशगंगाओं में से एक है। यह पृथ्वी से लगभग 163,000 प्रकाश वर्ष दूर है और दक्षिणी गोलार्ध में नग्न आंखों से दिखाई देती है।
- लघु मैगेलैनिक क्लाउड (SMC) भी अनियमित आकाशगंगा हैं जो दुग्ध मेखला (Milky Way) की परिक्रमा करती हैं।
- मैगेलैनिक क्लाउड एक गैसीय आवरण साझा करते हैं और दक्षिणी आकाशीय ध्रुव के पास आकाश में लगभग 22° की दूरी पर स्थित होते हैं।
- लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड (LMC) डार्क मैटर से भरपूर है, जिससे इसका द्रव्यमान काफी बढ़ जाता है।
- आकाशगंगा के साथ लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड (LMC) की अंतःक्रिया नए सितारों का निर्माण कर रही है।
- मैगेलैनिक बादलों का नाम पुर्तगाली खोजकर्ता फर्डिनेंड मैगलन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अपनी यात्रा के दौरान इन्हें देखा था।

चर्चित स्थल

सिएरा लियोन

हाल ही में, 26 नवंबर को सिएरा लियोन को राष्ट्रपति बायो के विवादित पुनर्निर्वाचन और उच्च जीवन लागत एवं व्यापक गरीबी की आर्थिक कठिनाइयों के बाद राजनीतिक उथल-पुथल से उपजे तख्तापलट के प्रयास का सामना करना पड़ा।

सिएरा लियोन (राजधानी: फ्रीटाउन)

अवस्थिति : सिएरा लियोन पश्चिम अफ्रीका के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित एक उष्णकटिबंधीय देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: सिएरा लियोन की सीमा गिनी (उत्तर और उत्तर-पूर्व), लाइबेरिया (दक्षिण-पूर्व) और अटलांटिक महासागर (दक्षिण-पश्चिम) से लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- माउंट बिंटुमानी सिएरा लियोन और लोमा पहाड़ों की सबसे ऊंची चोटी है।
- लोमा पहाड़ सिएरा लियोन में एक पर्वत श्रृंखला है जो उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली हुई है।
- मुख्य नदियों में रोकेल और मोआ शामिल हैं, जो आवश्यक जल संसाधन प्रदान करते हैं और कृषि गतिविधियों का समर्थन करते हैं।
- सिएरा लियोन अपने समृद्ध खनिज संसाधनों के लिए जाना जाता है, जिसमें हीरे, रूटाइल, बॉक्साइट और सोना शामिल हैं जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

POINTS TO PONDER

- किस राज्य सरकार ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से कक्षा I से X तक के छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों में 50% की कटौती करके स्कूल बैग के बोझ को कम करने के लिए कदम उठाया है? **- कर्नाटक सरकार**
- दूरसंचार क्षेत्र विधेयक किन अधिनियमों को निरस्त करता है? **- भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885, भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम 1933 और टेलीग्राफ तार (गैरकानूनी कब्ज़ा) अधिनियम 1950**
- भारत द्वारा 2014 में आर्कटिक में तैनात मल्टी-सेंसर मूर्ड वेधशाला (Multi-sensor moored observatory) का नाम क्या है? **- इंडआर्क (IndARC)**
- संयुक्त राष्ट्र ने 2024 को किस अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में नामित किया है? **- कैमलिड्स (Camelids) वर्ष**
- बिपिन चंद्र पाल की पुस्तक "देशेर कथा"("Desher Katha") मूल रूप से किस भाषा में प्रकाशित हुई थी? - **बंगाली**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com